MOTHERHOOD UNIVERSITY, Roorkee

ENLIGHTENING WORLD

1800-120-8667 7060055239 www.mhu.edu.in info@mhu.edu.in

Roorkee-Dehradun Road, Village Karoundi, Post-Bhagwanpur, Tehsil-Roorkee,
Distt. Haridwar, Uttrakhand-247661

DAILY NEWS F1RST TODAY
शुक्रवार, 01 दिसंबर, 2023, मेरठ
वर्ष-8, अंक-121, पेज 4, मूल्य-₹ 1
दैनिक न्यूज फर्स्ट टुडे
www.newsfirsttoday.com
nftoday2016@gmail.com

जीवनदायक होता है गाय का दूध : भागवत

मदरहुड विश्वविधालय,रुड़की के कुलपति प्रो.(डॉ) नरेंद्र शर्मा द्वारा नवनिर्मित पाठयक्रम का हुआ विधिवत विमोचन

रूड़की (प्र)। भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के मथुरा ज़िले में एशिया और भारत वर्ष का प्रथम नवनिर्मित और सबसे बड़ा दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत लोकार्पण सरसंघसंचालक(राष्ट्रीय सेवक संघ) डॉ मोहन भागवत जी द्वारा किया गया। जैसा की ज्ञात है कि प्राचीन काल से हमारे ग्रंथों में गाय को माता के रूप में पूज्य माना जाता है और गाय का दूध जीवनदायक होता है। हमारे ग्रंथों में वर्णन है की समुंद्र मंथन से 14 रत्नों की उत्पत्ति हुई थी । जिसमें कामधेनु गाय भी थी। इसी से हम गाय के महत्व को समझ सकते है

हमारे पूरणों में ऐसा वर्णन भी है की "गावो विश्वस्य मातर" अर्थात् गाय विश्व की माता है इस सपने को साकार करते हुए भारत वर्ष का प्रथम दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण केंद् का विधिवत लोकार्पण सरसंघसंचालक डॉ मोहन भागवत जी, साध्वी ऋतंभरा जी और हंस फाउंडेशन की माता जी श्रीमती मंगला जी द्वारा किया गया। जहाँ आयुर्वेद पर आधारित विश्व स्तरीय अनुसंधान और शोध किए जाएँगे।यहाँ पर लगभग 200 करोड़ की लागत से बनने वाला भारत वर्ष का प्रथम आयुर्वेद आधारित पशु चिकित्सालय और छात्रावास

भी बनेगा। इस अवसर पर मदरहुड विश्वविधालय के कुलपति प्रो०(डॉ) नरेंद्र शर्मा द्वारा इस नवनिर्मित दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण केंद् के लिए और प्राकृतिक खेती हेतु पाठयक्रम तैयार किया गया। गौ के लिए प्राकृतिक खेती बहुत लाभप्रद मानी जाती है। और भारत सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए "राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना" की शुरुवात की है।

जिसका सरसंघसंचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा पाठयक्रम पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया।

यह हमारे उत्तराखण्ड राज्य के लिए बड़े ही हर्ष का विषय है की हमारे राज्य में स्थिति मदरहुड विश्वविधालय के कुलपति प्रो०(डॉ) नरेंद्र शर्मा जी को यह अमूल्य अवसर मिला।और कुलपति जी भारत के प्रथम दीन दयाल गौ अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण केंद् का अहम हिस्सा बनने का सुअवसर मिला।

यह निसंदेह हमारे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। दीन दयाल गौ अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण केंद् के लिए उत्तम पाठयक्रम की रचना कर मदरहुड विश्वविधालय कुलपति प्रो०(डॉ) नरेंद्र शर्मा द्वारा मदरहुड विश्वविधालय के नाम को संपूर्ण भारत वर्ष में विख्यात और विश्व पटल पर स्थापित करने का कार्य किया है।

जिसका श्रेय विश्वविधालय कुलपति प्रो०(डॉ) नरेंद्र शर्मा को जाता है। इस अवसर पर विश्वविधालय के चेयरमैन एवम् सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश धर्मेन्द्र भारद्वाज और चेयरपर्सन मनिका शर्मा द्वारा विश्वविधालय कुलपति डॉ नरेंद्र शर्मा को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की गई है।

कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा की पुस्तक का मोहन भागवत ने किया विमोचन

दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान व प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण

स्वतंत्र चेतना

रूड़की। भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के मथुरा ज़िले में ऐशिया और भारत वर्ष का प्रथम नवनिर्मित और सबसे बड़ा दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत लोकार्पण सरसंघसंचालक(राष्ट्रीय सेवक संघ) डॉ मोहन भागवत द्वारा किया गया।

जैसा की ज्ञात है कि प्राचीन काल से हमारे ग्रंथों में गाय को माता के रूप में पूज्य माना जाता है और गाय का दूध जीवनदायक होता है। हमारे ग्रंथों में वर्णन है की समुद्र मंथन से 14 रत्नों की उत्पत्ति हुई थी। जिसमें कामधेनु गाय भी थी। इसी से हम गाय के महत्व को समझ सकते है । हमारे पूरणों में ऐसा वर्णन भी है की 'गावो विश्वस्य मातर' अर्थात गाय विश्व की माता है इस सपने को साकार करते हुए भारत वर्ष का प्रथम दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद् का विधिवत लोकार्पण सरसंघसंचालक डॉ मोहन भागवत, साध्वी ऋतंभरा और हंस फाउंडेशन

की माता जी श्रीमती मंगला द्वारा किया गया। जहाँ आयुर्वेद पर आधारित विश्व स्तरीय अनुसंधान और शोध किए जाएँगे। यहाँ पर लगभग 200 करोड़ की लागत से बनने वाला भारत वर्ष का प्रथम आयुर्वेद आधारित पशु चिकित्सालय और छात्रावास भी बनेगा। इस अवसर पर मदरहुड विश्वविधालय के कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा द्वारा इस नवनिर्मित दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद् के लिए और प्राकृतिक खेती हेतु पाठयक्रम तैयार किया गया। गौ के लिए प्राकृतिक खेती बहुत लाभप्रद मानी जाती है। और भारत सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना' की शुरूवात की है। जिसका सरसंघसंचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा पाठयक्रम पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया। यह हमारे उत्तराखण्ड राज्य के लिए बड़े ही हर्ष का विषय है की हमारे राज्य में स्थिति मदरहुड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डॉ. नरेंद्र शर्मा को यह अमूल्य अवसर मिला और कुलपति भारत के प्रथम दीन दयाल गौ अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद् का अहम हिस्सा बनने का सुअवसर मिला। यह निसंदेह हमारे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। दीन दयाल गौ अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के लिए उत्तम पाठयक्रम की रचना कर मदरहुड विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा द्वारा मदरहुड विश्वविधालय के नाम को संपूर्ण भारत वर्ष में विख्यात और विश्व पटल पर स्थापित करने का कार्य किया है। जिसका श्रेय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा को जाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन एवं सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश धर्मेन्द्र भारद्वाज और चेयरपर्सन सुश्री मनिका शर्मा द्वारा विश्वविद्यालय कुलपति डॉ नरेंद्र शर्मा को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की गई है।

my city
देहरादून | शुक्रवार • 01.12.2023
अमर उजाला
02
amarujala.com/roorkee

पाठ्यक्रम का सरसंघचालक ने किया विमोचन

मदरहुड विवि के कुलपति प्रो. नरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में तैयार किया है पाठ्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। एशिया के प्रथम दीन दयाल गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान केंद्र मथुरा यूपी का पाठ्यक्रम मदरहुड विवि के कुलपति प्रो. नरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने तैयार किया है। प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ संचालक डॉ. मोहन भागवत ने पाठ्यक्रम पुस्तक का विमोचन किया।

उद्घाटन समारोह में विवि के कुलपति प्रो. नरेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र के लिए पाठ्यक्रम को प्राकृतिक खेती को ध्यान में रखकर तैयार किया गया।

विवि चेयरमैन एवं उत्तरप्रदेश विधान परिषद के सदस्य धर्मेन्द्र भारद्वाज और चेयरपर्सन मनिका शर्मा ने बधाई देते हुए कहा है कि यह हर्ष का विषय है कि मदरहुड विवि के कुलपति ने प्रशिक्षण केंद्र के पाठ्यक्रम को तैयार कर देश के विकास में योगदान दिया है।

प्रो. नरेंद्र शर्मा ने बताया कि जिस परिसर में केंद्र संचालित होगा उस पूरे परिसर को गो ग्राम नाम दिया गया है। बताया कि यहां पर लगभग 200 करोड़ की लागत से बनने वाला भारत वर्ष का प्रथम आयुर्वेद आधारित पशु चिकित्सालय और छात्रावास भी बनेगा। इस मौके पर साध्वी ऋतंभरा और हंस फाउंडेशन की माता मंगला जी समेत अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान मथुरा के पाठ्यक्रम के विमोचन के दौरान मौजूद सरसंघचालक मोहन भागवत और मदरहुड विवि के कुलपति। स्रोत : संस्था

200

करोड़ की लागत से बनेगा भारत वर्ष का प्रथम आयुर्वेद आधारित पशु चिकित्सालय

कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा की पुस्तक का मोहन भागवत ने किया विमोचन

दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान व प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण

स्वतंत्र चेतना

रूड़की। भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के मथुरा ज़िले में ऐशिया और भारत वर्ष का प्रथम नवनिर्मित और सबसे बड़ा दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत लोकार्पण सरसंघसंचालक(र ाष्ट्रीय सेवक संघ) डॉ मोहन भागवत द्वारा किया गया।

जैसा की ज्ञात है कि प्राचीन काल से हमारे ग्रंथों में गाय को माता के रूप में पूज्य माना जाता है और गाय का दूध जीवनदायक होता है। हमारे ग्रंथों में वर्णन है की समुद्र मंथन से 14 रत्नों की उत्पत्ति हुई थी । जिसमें कामधेनु गाय भी थी। इसी से हम गाय के महत्व को समझ सकते है । हमारे पूरणों में ऐसा वर्णन भी है की 'गावो विश्वस्य मातर' अर्थात गाय विश्व की माता है इस सपने को साकार करते हुए भारत वर्ष का प्रथम दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद् का विधिवत लोकार्पण सरसंघसंचालक डॉ मोहन भागवत, साध्वी ऋतंभरा और हंस फाउंडेशन की माता जी श्रीमती मंगला द्वारा किया गया। जहाँ आयुर्वेद पर आधारित विश्व स्तरीय अनुसंधान और शोध किए जाएँगे। यहाँ पर लगभग 200 करोड़ की लागत से बनने वाला भारत वर्ष का प्रथम आयुर्वेद आधारित पशु चिकित्सालय और छात्रावास भी बनेगा। इस अवसर पर मदरहुड विश्वविधालय के कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा द्वारा इस नवनिर्मित दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद् के लिए और प्राकृतिक खेती हेतु पाठयक्रम तैयार किया गया। गौ के लिए प्राकृतिक खेती बहुत लाभप्रद मानी जाती है। और भारत सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना' की शुरूवात की है। जिसका सरसंघसंचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा पाठयक्रम पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया। यह हमारे उत्तराखण्ड राज्य के लिए बड़े ही हर्ष का विषय है की हमारे राज्य में स्थिति मदरहुड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डॉ. नरेंद्र शर्मा को यह अमूल्य अवसर मिला और कुलपति भारत के प्रथम दीन दयाल गौ अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद् का अहम हिस्सा बनने का सुअवसर मिला। यह निसंदेह हमारे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। दीन दयाल गौ अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के लिए उत्तम पाठयक्रम की रचना कर मदरहुड विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा द्वारा मदरहुड विश्वविधालय के नाम को संपूर्ण भारत वर्ष में विख्यात और विश्व पटल पर स्थापित करने का कार्य किया है। जिसका श्रेय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. डॉ. नरेंद्र शर्मा को जाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन एवं सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश धर्मेन्द्र भारद्वाज और चेयरपर्सन सुश्री मनिका शर्मा द्वारा विश्वविद्यालय कुलपति डॉ नरेंद्र शर्मा को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की गई है।

उत्तराखंड 30S

रुड़की के मदरहुड विवि की ओर से पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

प्राकृतिक खेती के पाठ्यक्रम का विमोचन

रुड़की। मदरहुड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेंद्र शर्मा ने प्राकृतिक खेती के लिए तैयार पाठयक्रम का विमोचन मथुरा में संघ संचालक डॉ. मोहन भागवत ने किया। यह पाठ्यक्रम नवनिर्मित दीन दयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र मथुरा में पढ़ाया जाएगा। इस दौरान साध्वी ऋतंभरा, माता मंगला, धर्मेन्द्र भारद्वाज, मनिका शर्मा आदि ने डॉ. शर्मा को शुभकामनाएं प्रेषित की।